मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

कुलपति महोदय का संदेश

भारत के 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराना मेरे लिए सम्मान एवं गौरवशाली क्षण रहा। इस शुभ अवसर पर किसानों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया । मुझे विश्वास है कि उनका योगदान विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियों और किसान भाइयों को अपने काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हें उनकी आर्थिक और अन्य बाधाओं से ऊपर उठकर प्रगतिशील बनने में सहायक सिद्ध होगा।

इसके अलावा, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया (जो कि संयोगवश हमारा गृह जनपद भी है) के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना भी मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही। राष्ट्र-प्रगति के द्योतक बनने जा रहे युवा पीढ़ी को जब मैं जोश और उत्साह से परिपूर्ण देखता हूं, तो मुझे बहुत संतुष्टि होती है कि राष्ट्र सुरक्षित हाथों में जा रहा है। एक शिक्षाविद् और शोधकर्ता के रूप में मुझे लगता है कि श्रेष्ठ ध्येय और देश का एक जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए उनका बौद्धिक पोषण करना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

मैं विश्वविद्यालय में अपने साथी शिक्षाविदों और कर्मचारियों सहित जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को भी 73वें गणतंत्र दिवस की बधाई देता हूं और उन्हें शैक्षणिक,अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

अंत में, मैं ईश्वर को धन्यवाद् देता हूं कि कोविड की तीसरी लहर धीमी हो रही है और अब विश्वविद्यालय को पूरी क्षमता के साथ काम करने का अवसर मिलेगा जिससे शैक्षणिक,अनुसंधान और प्रसार गतिविधियों में भी तेजी आएगी ।

खंड -3, अंक -2
***फ़रवरी*, 2022**

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 01.01.2022 को विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली परिसर में नव-वर्ष अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता किया।
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 01.01.2022 को संबोधित "पीएम किसान वित्तीय लाभ की 10 वीं किस्त एवं किसान " के ऑनलाइन कार्यक्रम भाग लिया।
- दिनांक 03.01.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के लिए समन्वय बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 03.01.2022 को वर्चुअल मोड में भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पुष्प अनुसंधान संस्थान, पुणे में फार्म कार्यालय-सह-क्षेत्र प्रयोगशाला के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारिणी समिति की दिनांक 10.01.2022 को हुई बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।
- दिनांक 13.01.2022 को वर्चुअल मोड में रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की अकादमिक परिषद की नौवीं बैठक की अध्यक्षता की।
- विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के सामाजिक कार्य के लिए दिनांक 19.01.2022 को सामुदायिक केंद्र, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा का उद्घाटन किया।
- दिनांक 24.01.2022 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 25.01.2022 को वर्चुअल मोड में ZEE हिंदुस्तान के साथ कृषि सम्मेलन / कृषि नायक के लाइव कार्यक्रम और पैनल चर्चा में भाग लिया तथा '**कृषि नायक पुरस्कार**' से सम्मानित हुए।
- दिनांक 26 जनवरी, 2022 को भारत के 73वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को संबोधित किया। उक्त अवसर पर किसानों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया ।
- दिनांक 27.01.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की शैक्षिक परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 28.01.2022 को बीज एवं रोपण सामग्री उप मिशन योजना के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।
- दिनांक 29.01.2022 को पटना के होटल चाणक्य में ZEE बिहार-झारखंड द्वारा रोजगार सृजन किये जा रहे लाइव कार्यक्रम में इस दिशा में किये जा रहे विश्वविद्यालय की पहल और गतिविधियों को श्री तारकिशोर प्रसाद जी, माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार सरकार एवं श्री सैयद शाहनवाज हुसैन जी, माननीय उद्योग मंत्री, बिहार सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में प्रस्तुत किया।

- **दिनांक 01 जनवरी 2022 को** नववर्ष मिलन समारोह तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के परिसर में माननीय कुलपति, डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में मनाया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के साथ अधिष्ठाता मत्स्यकी महाविद्यालय, निदेशक, बीज और फार्म और महाविद्यालय के वैज्ञानिक, कर्मचारी, छात्र और मीडियाकर्मी उपस्थित रहे ।
- **कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** ने नए साल, 2022 का पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया। डॉ. अंबरीश कुमार अधिष्ठाता, ने कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के संकाय और कर्मचारियों के लिए खुशी और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। सभी विभागों के विभागाध्यक्षों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के लिए आने वाले वर्ष में प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को हासिल करने की शपथ ली।

- **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के 2019-20 बैच के छात्रों ने 9 जनवरी 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के नव प्रवेशित छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी "अग्रसर" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने किया। सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी आयोजन में भाग लिया।
- **शैक्षणिक कार्यक्रम में सुधार** के लिए नीतिगत मुद्दों पर चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए विश्वविद्यालय की नौवीं अकादमिक परिषद की बैठक दिनांक 13 जनवरी 2022 को आयोजित की गई।

- **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** ने 73वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया और सभी कर्मचारियों, छात्रों और वैज्ञानिकों के उपस्थिति में अधिष्ठाता डॉ अशोक कुमार सिंह द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

- **विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा** करने और विभिन्न चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए ग्यारहवीं शिक्षा परिषद की बैठक दिनांक 27 जनवरी 2022 को आयोजित की गई।
- **मकर संक्रांति (14 जनवरी) के अवसर पर एन.एस.एस.** गतिविधियों के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता,तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **डॉ. मिथिलेश कुमार, निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** के सेवानिवृति के अवसर पर तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के शिक्षकों/वैज्ञानिकों द्वारा दिनांक 28/01/2022 को उनके अकादमिक कार्य और योगदान के सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने उन्हें एक शॉल, स्मृति चिन्ह और गुलदस्ता प्रदान किया और विशेष धन्यवाद व्यक्त किया एवं सेवानिवृत्ति के बाद उनके सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर निदेशक बीज एवं फार्म एवं संकाय सदस्यों ने निदेशक अनुसंधान के उत्कृष्ट योगदान के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

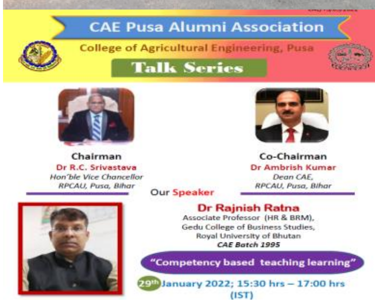

- **कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि.,** पूसा एलुमनी एसोसिएशन ने दिनांक 29 जनवरी 2022 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. रजनीश रत्न, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय बैच 1995, एसोसिएट प्रोफेसर (एच.आर एंड बी.आर.एम), गेडू कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। उन्होंने "योग्यता आधारित शिक्षण अधिगम" विषय पर एक व्यावहारिक और प्रेरक व्याख्यान दिया। व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्षता डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि. ने की तथा डॉ. अंबरीश कुमार अधिष्ठाता ने सह-अध्यक्षता की। कार्यक्रम को समन्वित डॉ. पी. के. प्रणव द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में सभी संकायों के शिक्षकों/वैज्ञानिकों और छात्रों ने भाग लिया।

- **युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार और आयुष मंत्रालय**, भारत सरकार के निर्देशों के अंतर्गत, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली द्वारा सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया । इस आयोजन में वैज्ञानिकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। वर्तमान COVID-19 महामारी को देखते हुए छात्र एवं छात्राएं इस कार्यक्रम में वर्चुअल मोड द्वारा शामिल हुए।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➤ **विश्वविद्यालय द्वारा विकसित हल्दी हार्वेस्टर का फील्ड ट्रायल** - विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग में चल रही परियोजना 'बुवाई और कटाई के विकास के माध्यम से हल्दी की फसल का मशीनीकरण' के अंतर्गत एक हल्दी हार्वेस्टर को विकसित किया गया है। कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली के परियोजना समन्वयक और अन्य वैज्ञानिक कर्मचारियों के साथ अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की उपस्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली के फार्म में कार्यान्वयन का फील्ड परीक्षण किया गया। क्षेत्र का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से अच्छा रहा क्योंकि खेत में हल्दी कंद की क्षति नगण्य मात्रा में पाई गयी ।

➤ **विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गन्ने की उच्च प्रदर्शन वाली किस्मों को राष्ट्रीय स्तर पर उन्नत किस्म के परीक्षण के लिए प्रोत्साहन**-उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्वी, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी तट क्षेत्र के गन्ना प्रजनकों और पौध संरक्षण वैज्ञानिकों की एक बैठक वर्चुअल मोड में दिनांक 24 जनवरी, 2022 को आयोजित की गई। डॉ. टी.आर. शर्मा, उपमहानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे और डॉ. आर. के. सिंह , सहायक महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली, ने बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. ए. डी. पाठक, परियोजना समन्वयक और निदेशक,भा.कृ.अनु.प., लखनऊ, डॉ. जी. हेम प्रभा, प्रधान अन्वेषक, फसल सुधार और निदेशक, एस,बी,आई, कोयंबटूर बैठक में उपस्थित रहे । प्रारंभिक किस्मों के परीक्षण के प्रदर्शन के आधार पर, गन्ना अनुसंधान संस्थान, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा द्वारा विकसित गन्ना सी.ओ.पी 18436, सी.ओ.पी 18437 और सी.ओ.पी 18438 की सभी तीन किस्मों को भा.कृ.अनु.प-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत उन्नत किस्मों के परीक्षणों के लिए बढ़ावा दिया गया।

➤ **केले का पाउडर निर्माण**- परिपक्व कच्चे केले से वाणिज्यिक केला पाउडर तैयार करने की तकनीक का मानकीकरण बागवानी विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली द्वारा किया जा रहा है। पाउडर तैयार करने के लिए फलों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के प्रायोगिक क्षेत्र से केले के जीनोटाइप का मूल्यांकन किया जा रहा है। वर्तमान में, चार अलग-अलग केले के जीनोटाइप, जैसे, 'मालभोग' (ए.ए.बी), 'ग्रैंड नाइन' (ए.ए.ए), 'अल्पन' (ए.ए.बी) और ' बी.बी.वाई. बटीशा (ए.बी.बी)' को केले के पाउडर के रूप में सफलतापूर्वक निर्जलीकृत किया जाता है। इन जीनोटाइप के पोषण संबंधी रूपरेखा और जैव रासायनिक विश्लेषण प्रगति पर है।

➤ **निदेशक अनुसंधान ने मक्का और आलू के प्रायोगिक परीक्षणों का दौरा किया** - निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा ने अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के साथ दिनांक 28 जनवरी, 2022 को चल रहे अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजनाओं कार्यक्रमों की निगरानी के लिए ढोली परिसर के मक्का और आलू के खेतों का दौरा किया। भ्रमण के दौरान संबंधित भा.कृ.अनु.प - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना से जुड़े वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

➤

प्रसार गतिविधियाँ

➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी, पूर्वी चंपारण-द्वितीय** के तकनीकी मार्गदर्शन में श्री जय चंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पूर्व डीईओ, चांद मारी कॉलोनी, मोतिहारी के भवन के छत पर रूफ टॉप न्यूट्री गार्डन (आकार 25x15 फीट) - स्थापित किया गया ।

➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की और सरैया** ने कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की में दिनांक 01.01.2022 को पीएम किसान सम्मान निधि लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दो सौ तीन किसानों और कृषि महिलाओं ने भाग लिया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के तहत किसानों के लिए राशि आवंटन किया। .

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की, परसौनी और पिपराकोठी** ने कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा गोद लिए गांवों में क्लस्टर फ्रंट लाइन डिमॉन्स्ट्रेशन (सी.एफ.एल.डी) के तहत सरसों, ब्रोकोली, गेहूं और मसूर की फसल पर फील्ड डे का आयोजन किया, जिसमें 145 किसानों ने भाग लिया।.

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली** ने दिनांक 05.01.2022 से 07.01.2022 तक पशु चिकित्सा विज्ञान के तहत स्वच्छ दूध उत्पादन और पशुधन प्रबंधन पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्यक्रम की संकल्पना किसानों और ग्रामीण युवाओं के बीच क्षमता निर्माण के लिए की गई थी। मूल रूप से पशु और मुर्गी पालन के लिए चारा और रोग प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया।.

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी, पूर्वी चंपारण** के विषय वस्तु विशेषज्ञ (पशु चिकित्सा विज्ञान) ने आर्या परियोजना के तहत दिनांक 03-05 जनवरी, 2022 तक 'पोल्ट्री फार्मिंग एंड इट्स मैनेजमेंट' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया और 19 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया।.

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी, पूर्वी चंपारण** ने उच्च बाजार मूल्य और आय सृजन के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, परिसर में उत्पादित ताजी सब्जियों (शिमला मिर्च, मूली, पालक और पॉलीहाउस और पोषण उद्यान के तहत उत्पादित बीज रहित ककड़ी) के विपणन और ग्रेडिंग पर विधि (मेथड) प्रदर्शन का आयोजन किया।.

पुरस्कार, खेल इत्यादि गतिविधियाँ

➢ **26 जनवरी, 2022 गणतंत्र दिवस के अवसर पर** विश्वविद्यालय मुख्यालय में कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली को प्रौद्योगिकी प्रसार, किसान समूह के गठन तथा विभागों के साथ उत्कृष्ट सहयोग आदि में उत्कृष्ट उपलब्धि हेतु वर्ष 2021 के लिए "सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्र पुरस्कार" से सम्मानित किया गया । डॉ. आर. के. तिवारी, अध्यक्ष. कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली को माननीय कुलपति, डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव ने पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया।

➢ **अभिनव किसान पुरस्कार- 2021 -** श्रीमती रेखा देवी, ग्राम- मानिकपुर, सरैया (मुजफ्फरपुर), को उनके कृषि विज्ञान केंद्र सरैया से सीखी गई लाक चूड़ी बनाने की तकनीक को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर द्वारा अभिनव किसान पुरस्कार-2021 से सम्मानित किया गया । कृषि के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया।